मोतीडूंगरी मंदिर के पीछे 20-25 फीट की संकरी गलियों में कैसे बन गई बहुमंजिला इमारतें?

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब राजस्थान हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई 19 सितंबर को होगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में मोतीडूंगरी गणेश मंदिर के पीछे संकरी गली में बनी बहुमंजिला इमारतों का मामला अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पुन: राजस्थान हाईकोर्ट में सुना जायेगा। शीर्ष अदालत के आदेश पर अब इस मामले की सुनवाई 19 सितंबर को होगी। गौरतलब है कि स्थानीय निवासी प्रीति असावा और कई लोगों ने राजस्थान हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। इसमें कहा गया है कि मोतीडूंगरी गणेश मंदिर के पीछे 20-25 फीट चौड़ी सड़क पर नियम विरूद्ध बहुमंजिला इमारतें बनाई गई है। जिसकी स्वीकृति जेडीए अथवा नगर निगम प्रशासन धड़ल्ले से जारी कर रहा है। इन संकरी गलियों में अवैध वाहनों की पार्किंग से पहले ही आवाजाही अवरूद्ध है और अब यहां ऊंची-ऊंची इमारतें बनने के कारण समस्या और बढ़ जायेगी। साथ ही स्थानीय लोगों की आबोहवा और रोशनी तक संकट में है। यहां से वाहन निकलना तो दूर पैदल निकलने का रास्ता भी नहीं है।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि, जिस तरीके से नियमों को तोड़-मरोडकर सरकारी महकमों के अधिकारी 20-25 फीट चौड़ी सड़क पर बहुमंजिला इमारतें बनवा रहे हैं, यह पूरे प्रदेश के लिए समस्या बनता जा रहा है। यह सिर्फ जयपुर ही नहीं, प्रदेश के प्रत्येक बड़े शहर की परेशानी बनती जा रही है। इसलिए अदालत को हस्तक्षेप कर नियमों की सुदृढ़ता से पालना करवाने का आदेश पारित करना चाहिए।

गौरतलब है कि राजधानी जयपुर के वीवीआईपी जे.एल.एन. रोड स्थित मोती डूंगरी गणेश मंदिर के पीछे संकरी गलियों में बहुमंजिला इमारतें बनने का मुद्दा पूर्व में भी राजस्थान हाईकोर्ट पहुंचा था। परंतु हाईकोर्ट ने इस मामले में यथास्थिति बनाये रखने अथवा कार्रवाई के आदेश पारित नहीं किए तो याचिकाकर्ता प्रीती असावा और अन्य लोग सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। जिनकी याचिका पर शीर्ष अदालत ने निर्देश दिए हैं कि राजस्थान हाईकोर्ट इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल सुनवाई करे। इसके बाद इस प्रकरण की सुनवाई की तारीख 19 सितंबर तय की गई है।

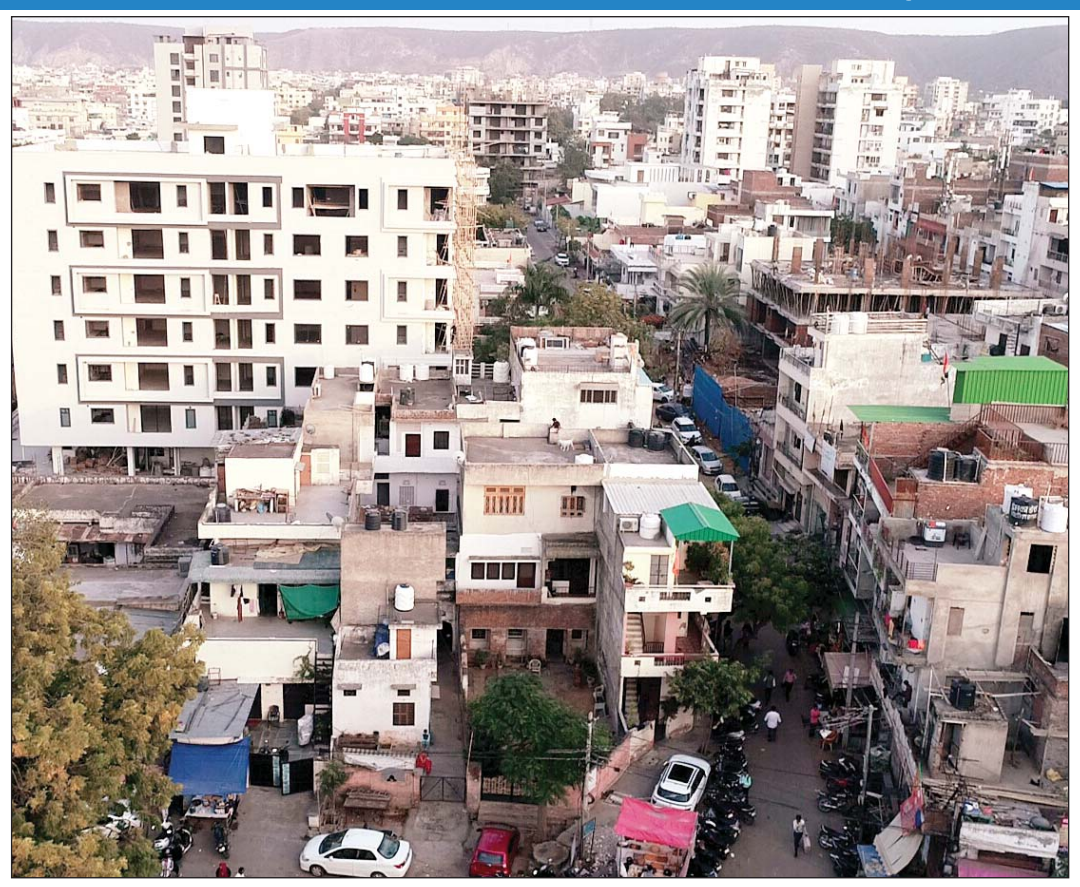

जयपुर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर के पीछे 20 से 25 फुट चौड़ी सकरी गली में 7 से 10 मंजिला ऊंची इमारतें बन गई है, जो कि इस फोटो में साफ नजर आ रही है। इन बहुमंजिला इमारतों से कई घरों में रोशनी और हवा तक नहीं पहुंच रही।

ज्ञात रहे कि वर्ष 2024 में मोतीडूंगरी एक्सटेंशन तथा तिलक नगर एक्सटेंशन पर तीन प्लॉट बी-124, बी-49 और बी-3 पर बहुमंजिला इमारतों के निर्माण का विवाद हाईकोर्ट में पहुंचा था। तब स्थानीय निवासी प्रीती असावा व अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए कहा था कि, मोती डूंगरी मंदिर के सामने और पीछे की तरफ सड़क को वर्ष 1962 के सरकारी दस्तावेजों में 60 फीट चौड़ी दर्शाया गया है। परंतु मौके पर सड़क की चौड़ी बमुश्किल 20 से 25 फीट है।

परंतु जयपुर विकास प्राधिकरण और नगर निगम प्रशासन ने बिल्डरों की मदद करते हुए इन संकरी गलियों में भी बहुमंजिला इमारतों के नक्शे पास कर दिए। जिसके कारण अब यहां 7 से 10 मंजिल ऊंची इमारतें बन गई है। इस मामले से जुड़े दस्तावेजों को देखकर स्पष्ट होता है कि दोनों ही विभागों ने वर्ष 1962 में

- **प्राप्त दस्तावेजों के मुताबिक, मोती डूंगरी मंदिर के सामने और पीछे की तरफ सड़क, वर्ष 1962 के सरकारी दस्तावेजों में 60 फीट चौड़ी दर्शाया गयी है, परंतु मौके पर बमुश्किल 20 से 25 फीट है।**

दर्शायी गई 60 फीट चौड़ी सड़क की सत्यता जांचने का कभी प्रयास ही नहीं किया, तथा बिल्डरों को बहुमंजिला इमारतों की स्वीकृति देने से पूर्व मौके पर सड़क की चौड़ाई तक नहीं जांची। बताया जा रहा है कि जिन बिल्डरों ने बहुमंजिला इमारतें बनायी है, उन्होंने सरकार की आंखों में धूल झोंकने के लिए अपनी बिल्डिंगों के सामने की तरफ अतिरिक्त सेटबैक एरिया छोड़कर 60 फीट की सड़क चौडाई दिखा ली। हालांकि अब भी यह जमीनें बिल्डरों के कब्जे में ही है, परंतु इस कारगुजारी में सरकारी अफसरों की मेहरबानी भी कम नहीं है। हालात यह है कि जयपुर विकास प्राधिकरण के मास्टर प्लान में तो अभी तक इन सड़कों की चौड़ाई तक ही स्पष्ट नहीं है।

याचिकाकर्ता प्रीती असावा ने बताया कि, मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने कई वर्षों पहले इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया था। तब सरकारी जवाब सदन में रखा गया था कि, मोतीडूंगरी रोड से विजय पथ की ओर जाने वाली सड़क योजना मानचित्र में 60 फीट चौड़ी दिखाई गई है। परंतु इस मार्ग का अधिकांश भाग भूतपूर्व महाराजा जयपुर की निजी भूमि में आता है। मोतीडूंगरी रोड के निकट कच्ची बस्ती है, सड़क की अधिकांश भूमि का स्वामित्व जयपुर विकास प्राधिकरण के पास नहीं है, इस कारण यहां सड़क तय 60 फीट चौड़ाई में नही है।

सत्ता पक्ष के मंत्री और विधायकों ने डोटासरा के बयान को बताया शर्मनाक

जयपुर । कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ दिए गए बयान पर राज्य सरकार के मंत्रियों और विधायकों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम और हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने डोटासरा के बयान को "शर्मनाक", "कुंठित मानसिकता का प्रतीक" और "विकास विरोधी सोच" करार दिया है।

- **विधानसभा अध्यक्ष पर की गई टिप्पणी को बताया संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन, कांग्रेस पर भटकी राजनीति के आरोप**

झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष का विधानसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को लेकर इस तरह का बयान देना एक जनप्रतिनिधि के लिए उचित नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि "डोटासरा इतने कुंठित हो चुके हैं कि उन्हें उचित-अनुचित का भी भान नहीं है।" साथ ही उन्होंने डोटासरा के पुराने विवादित बयानों की भी याद दिलाई-जैसे महिला शिक्षकों को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समय स्थानांतरण में पैसों की खुली स्वीकारोक्ति।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को विधानसभा अध्यक्ष पर टिप्पणी कर जनता के बीच शर्मिंदगी झेलनी पडी है, और अब ध्यान भटकाने के लिए वे आधारहीन मुद्दे उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि "जनहित से जुड़े मुद्दों से बचने और चर्चा से भागने के लिए कांग्रेस नेता बेवजह बयानबाजी कर रहे हैं।" हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि सदन में कैमरे दोनों पक्षों की ओर लगे होते हैं, ऐसे में निजता के हनन की बात करना अनुचित है। उन्होंने कहा, "कांग्रेस के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वे विकास की चर्चा की बजाय ध्यान भटकाने वाली बयानबाजी कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि विपक्ष यदि चाहता तो अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों या धर्मांतरण जैसे गंभीर विषयों पर सदन में बात करता।नेताओं ने सामूहिक रूप से कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह प्रदेश के विकास में सहयोग करने के बजाय भ्रम फैलाने और संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करने में जुटी है। जनता सब देख रही है और समय आने पर इसका उत्तर देगी।

डोटासरा का बयान संसदीय मर्यादाओं की अवहेलना : राठौड़

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा विधानसभा में कैमरे को लेकर दिए गए बयान को निंदनीय और संसदीय मर्यादाओं की घोर अवहेलना बताया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा कोई निजी स्थान नहीं, बल्कि लोकतंत्र का मंदिर है, जहां पारदर्शिता के साथ हर गतिविधि का प्रसारण जनता के हित में होता है। राठौड़ ने कहा कि डोटासरा का निजता का तर्क संसदीय परंपराओं की अज्ञानता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि स्पीकर कोई साधारण व्यक्ति नहीं, बल्कि एक संरक्षक और गरिमामयी पद पर आसीन व्यक्ति होता है, जिस पर इस प्रकार के आरोप लगाना शर्मनाक है।

"उडायन शालिनी फैलोशिप प्रोग्राम" से 50 जरूरतमंद बच्चियों को छात्रवृति मिलेगी

जयपुर (कासं)। "उडायन शालिनी फैलोशिप प्रोग्राम" जयपुर चैप्टर बैच-13 की ओर से रविवार को आयोजित होने वाले समारोह में जरूरतमंद परिवारों की 50 बच्चियों को छात्रवृति दी जायेगी। यह समारोह मानसरोवर स्थित उमंग स्कूल में सुबह 11 बजे आयोजित होगा, जिसमें मुख्य अतिथि कनोडिया कॉलेज की प्राचार्या सीमा अग्रवाल होंगी। जबकि विशिष्ट अतिथि मेजर डॉ. मीता सिंह रहेंगी।

- **वर्ष 2013 से अनवरत जारी इस फैलोशिप कार्यक्रम के जरिए अब तक 618 बालिकाओं को लाभांवित किया जा चुका है।**
- **"उडायन शालिनी फैलोशिप प्रोग्राम" की इस मदद के कारण अब तक 227 लड़कियों को रोजगार मिला है, इनमें से 6 सरकारी नौकरी में है।**

"उडायन शालिनी फैलोशिप प्रोग्राम" जयपुर चैप्टर की ओर से 11वें बैच में 50 जरूरतमंद बालिकाओं को महारानी कॉलेज में आयोजित समारोह में छात्रवृत्ति दी गई थी।

आई.आई.टी. कानपुर से पास हुए तथा अमेरिका में पिछले 50 वर्षों से रह रहे सफल और जाने-माने प्रोफेशनल रिकी सूरी भी इस समारोह में भाग लेंगे। वे अमेरिका में इस संस्था के प्रभारी और संरक्षक है।

वर्ष 2013 से अनवरत जारी इस फैलोशिप कार्यक्रम के जरिए अब तक 618 बालिकाओं को लाभांवित किया जा चुका है। वर्तमान में 206 बच्चियां इस फैलोशिप प्रोग्राम से जुड़ी हुई है। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में 11वीं कक्षा में पढ़ रही बालिकाओं को इसका लाभ दिया जाता है, ताकि वे बच्चियां 10वीं के बाद अपनी पढ़ाई नहीं छोड़े और अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त करें। इसके तहत 12वीं कक्षा तक 10 हजार रु, इसके बाद डिप्लोमा के लिए 11 हजार, ग्रेजुएशन के लिए 15 हजार तथा एम.बी.बी.एस. अथवा बी.टेक. जैसी उच्च शिक्षा के लिए 30 हजार रु. प्रतिवर्ष दिए जाते हैं।

"उडायन शालिनी फैलोशिप प्रोग्राम" की इस मदद के कारण अब तक 227 लड़कियों को रोजगार मिला है, इनमें से 6 सरकारी नौकरी में है। इन्हीं बच्चियों में से एक बालिका चंचल आई.आई.टी. जोधपुर में, सोनाक्षी मीणा सीकर मेडिकल कॉलेज में तथा करीना जेएलएन मेडिकल कॉलेज अजमेर में अपनी शिक्षा हासिल कर रही है।

वहीं इस संस्था की मदद से कविता गुप्ता वर्तमान जिंदल स्टीलनेस प्रा. लि. चंडीगढ़ में सालाना 12 लाख रु. के पैकेज कार्यरत हैं। फारा बानो सरकारी फार्मासिस्ट हैं, जबकि रेनू जांगिड़ ने हाल ही में सी.ए. परीक्षा उत्तीर्ण की हैं।

यह फैलोशिप प्रोग्राम, उडायन केयर पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट का हिस्सा है, जिसकी स्थापना वर्ष 1994 में नई दिल्ली में हुई थी। इस संस्था का काम आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभावान बच्चों और महिलाओं की मदद करना है, ताकि उनके सपनों को नई उडान मिल सके। यह ट्रस्ट अनाथ बच्चियों के लिए घर, गरीब महिलाओं के लिए वित्तीय मदद, रोजगारपरक शिक्षा मुहैया करवाने का काम करता है। यह संस्था भारत के 30 बड़े शहरों में कार्यरत है, जिनमें नई दिल्ली, कोलकाता और जयपुर आदि शामिल है। "उडायन शालिनी फैलोशिप प्रोग्राम" के तहत जयपुर, उदयपुर और पाली में जरूरतमंदों को रहने की सुविधा दी जाती है। इन तीनों शहरों में 195 विद्यार्थियों को 35 से ज्यादा ट्रेनर व्यवसायिक पाठ्यक्रम के कॉर्स पढ़ाते हैं। यह बच्चे पौधारोपण, साफ-सफाई और वृद्धाश्रमों में मदद जैसे कार्य में भी हिस्सा लेते हैं। इस फैलोशिप प्रोग्राम की कोर कमेटी की चेयरमैन आई.ए.एस. वीनू गुप्ता हैं, जबकि केन्द्र सरकार में टैक्सटाइल मंत्रालय की सचिव रह चुकीं रूक्मणि हल्दिया, शीतल बोहरी, आस्था भटनागर और उद्यमी मनीष कासलीवाल और उनकी पत्नी रितिका कासलीवाल सदस्य हैं।

"प्लॉट 983: उनके लिए घर, जो हैं सरहद पर" मुहिम में शहीद सुजान का परिवार विजेता घोषित

संजीवनी बिल्डहोम और रेडियो मिर्ची द्वारा 19 अगस्त से शुरू की गई इस मुहिम के जरिए अलग-अलग वीर फौजी भाइयों की प्रेरणादायक कहानियां श्रोताओं तक पहुँचाई गईं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। संजीवनी बिल्डहोम और रेडियो मिर्ची द्वारा प्रस्तुत "प्लॉट 983: उनके लिए घर, जो हैं सरहद पर" का भव्य ग्रैंड फिनाले 13 सितम्बर को जयपुर के राज सराय होटल विद्याधर नगर में आयोजित हुआ।

यह विशेष मुहिम रेडियो मिर्ची पर 19 अगस्त से लगातार चलाई जा रही थी, जिसमें अलग-अलग वीर फौजी भाइयों की प्रेरणादायक कहानियां श्रोताओं तक पहुँचाई गईं। इन कहानियों को सुनकर श्रोताओं ने अपने वोट दिए और जूरी सदस्यों के मार्गदर्शन में सत्यापन के बाद विजेता का निर्णय लिया गया।

- **इन कहानियों को सुनकर श्रोताओं ने अपने वोट दिए और जूरी सदस्यों के मार्गदर्शन में सत्यापन के बाद विजेता का निर्णय लिया गया।**
- **अन्य फाइनलिस्ट में महावीर चक्र विजेता डिगेंद्र, शौर्य चक्र विजेता मेजर पवन, अजीत और भगीरथ राम शामिल रहे।**

संजीवनी बिल्डहोम और रेडियो मिर्ची द्वारा प्रस्तुत "प्लॉट 983: उनके लिए घर, जो हैं सरहद पर" का भव्य ग्रैंड फिनाले 13 सितम्बर को जयपुर के राज सराय होटल विद्याधर नगर में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का सबसे भावुक पल वह रहा, जब शहीद सुजान के परिवार को विजेता घोषित किया गया। अन्य फाइनलिस्ट में महावीर चक्र विजेता डिगेंद्र, शौर्य चक्र विजेता मेजर पवन, अजीत और भगीरथ राम शामिल रहे। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्कूलों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एस.जे. पब्लिक स्कूल, किड्स क्लब स्कूल और डिफेंस पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अपनी मौजूदगी से इस आयोजन को और भी खास बना दिया।

इस निर्णायक जूरी पैनल में राजस्थान के सेवानिवृत्त डीजीपी डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा, रॉबिनहुड आर्मी से मैसू संजना विज, लक्ष्य स्पेशल स्कूल से मीना राजपूत, कॉन्ट्री फाउंडेशन से रोहित अग्रवाल तथा इत्रा फाउंडेशन से ऋचा सिंह रहे। कार्यक्रम का रोचक संचालन रेडियो मिर्ची के आरजे प्रेक्षा, आरजे वार्तिका, आरजे ईशान और आरजे जीत ने किया।

मुख्य आयोजक संजिवनी बिल्डहोम की ओर से सुनील माहेश्वरी (एमडी एंड सीईओ) तथा राजीव तक (एमडी एंड सीएमओ) ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता जताई और सभी फौजी भाइयों को नमन किया।

इसके बाद रेडियो मिर्ची की ओर से राजस्थान स्टेशन डायरेक्टर आशीष झा और कंटेंट हैड प्रकाश रुंडला ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। यह आयोजन न केवल एक प्रतियोगिता का समापन था, बल्कि देशभक्ति, गर्व और कृतज्ञता का एक ऐसा उत्सव बन गया, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

कांग्रेस की महिला विधायकों को देखने के लिए विधानसभाध्यक्ष ने सदन में विपक्ष पर 2 एक्स्ट्रा कैमरे लगाए : गोविंद डोटासरा

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने यहां तक कह दिया कि, स्पीकर का फोकस इस पर है कि, महिला विधायक किस वेशभूषा में बैठी हैं? कैसी अवस्था में बैठी हैं? क्या बातें कर रही हैं?

जयपुर (कासं)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान स्पीकर वासुदेव देवनानी पर कांग्रेस की महिला विधायकों को रेस्ट रूम में जासूसी कैमरे से देखने का आरोप लगाया है। डोटासरा ने यहां तक कह डाला कि, राजस्थान विधानसभा में विपक्ष की तरफ एक्स्ट्रा कैमरे लगवाकर स्पीकर वासुदेव देवनानी, कांग्रेस विधायकों की जासूसी करवा रहे हैं। कांग्रेस में भी विशेष कर महिलाओं को रेस्ट रूम से देखना चाहते हैं। महिला विधायक किस वेशभूषा में बैठी हैं? कैसी अवस्था में बैठी हैं? क्या बातें कर रही हैं? स्पीकर का केवल महिलाओं पर ज्यादा फोकस है। उन्होंने यहां तक कह दिया कि, स्पीकर की नजर हम एक, दो, तीन नंबर के नेताओं पर तो है ही, इसके अलावा महिलाओं पर ज्यादा फोकस है।

मीडिया से बातचीत में डोटासरा ने कहा कि, इससे बड़ी शर्म की बात नहीं हो सकती कि एक स्पीकर जैसी संवैधानिक पद पर बैठा हुआ व्यक्ति हमारे प्रतिपक्ष की महिला विधायक-बहनों के लिए अपने रेस्ट रूम में कैमरा लगाकर उसका एक्सेस रखता है। ऐसे व्यक्ति को डूब के मर जाना चाहिए। स्पीकर जासूस बनकर हमारी तरफ कैमरे लगवा रहे हैं, ताकि सदन स्थगित करने के बाद विपक्ष के विधायकों की आवाज सुन सकें।

- **मीडिया से बातचीत में डोटासरा ने कहा कि, आज हमें पता चला है कि स्पीकर ने रेस्ट रूम में जिन कैमरों का एक्सेस सेट कर रखा है। वहां से वायर हटाया जा रहा है। अब ये जासूसी के सबूत मिटा रहे हैं। ये कुंठा के शिकार हैं, हमारी आवाज दबाना चाहते हैं।**

डोटासरा ने कहा कि, आज हमें पता चला है कि स्पीकर ने रेस्ट रूम में जिन कैमरों का एक्सेस सेट कर रखा है। वहां से वायर हटाया जा रहा है। अब ये जासूसी के सबूत मिटा रहे हैं। ये कुंठा के शिकार हैं, हमारी आवाज दबाना चाहते हैं। इनकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है। ये कैमरे वाले स्पीकर विधानसभा नहीं चला सकते। ज्ञात रहे कि पिछले दिनों भी कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान इस मुद्दे को लेकर 2 दिन तक सदन में जमकर हंगामा मचाया था। उन्होंने विपक्ष की तरफ एक्स्ट्रा कैमरे लगाकर जासूसी के आरोप लगाए थे। यहां तक कि विधानसभा में विधायकों की जासूसी का आरोप लगाते हुए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की अगुवाई में राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन दिया था। कांग्रेस ने राज्यपाल से जासूसी मामले की संयुक्त कमेटी बनाकर जांच करवाने की मांग की थी। जिसके बाद इस मुद्दे पर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सदन में विपक्ष के आरोपों को पूर्णत: खारिज करते हुए स्पष्ट जवाब दिया था कि, सदन की सुरक्षा के लिए कैमरे अपग्रेड किए हैं। सदन का 360 डिग्री व्यू यूट्यूब पर आए, इसलिए कैमरे लगाए हैं। जहां तक दो एक्स्ट्रा कैमरों की बात है तो सदन में आईपैड लगाए हैं और दूसरे उपकरणों की सुरक्षा जरूरी है, इसलिए लगाए है।

इस स्पीकर पर महिला विधायकों की तांका-झांकी का बड़ा आरोप लगाने के बाद गोविंद सिंह डोटासरा के बयान की सत्ता पक्ष ने जमकर निंदा की है। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कांग्रेस नेताओं की ओछी मानसिकता बताया है। दीया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा दिए गए शर्मनाक बयानों से उनकी संकीर्ण और महिलाओं के प्रति असंवेदनशील मानसिकता साफ झलकती है। उन्होंने कहा कि जिन वरिष्ठ राजनीतिज्ञों ने अपना संपूर्ण जीवन राजनीति और समाज सेवा को समर्पित किया है, उन पर निराधार और अपमानजनक आरोप लगाना बेहद शर्मनाक है। इससे कांग्रेस की हताशा और गिरी हुई राजनीति का स्तर साफ दिखाई देता है। राजस्थान की जनता महिलाओं का अपमान करने वाली और झूठे आरोपों की राजनीति करने वाली कांग्रेस को कभी स्वीकार नहीं करेगी।

स्व. सवाई सिंह धमोरा की स्मृति में पुस्तक विमोचन और समारोह आज

जयपुर। इतिहासविद् व समाजसेवी स्व. सवाईसिंह धमोरा की स्मृति में रविवार को पांच बत्ती स्थित श्री राजपूत सभा भवन में 'पुस्तक विमोचन एवं स्मृति समारोह' का आयोजन किया जायेगा। यह कार्यक्रम दोपहर 1.30 बजे से 4 बजे तक होगा।

समारोह में स्व. सवाई सिंह धमोरा पर प्रकाशित एक स्मारिका और जमुवाय माताजी पर उनके द्वारा लिखी पुस्तक "जय जमुवाय" का विमोचन भी किया जायेगा। समारोह के अतिथियों में सांसद राव राजेन्द्र सिंह शाहपुरा, इतिहास शिक्षक राजवीर सिंह चलकोई मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर इन दोनों पुस्तकों के अतिरिक्त समाजोपयोगी अन्य साहित्य भी उपलब्ध होगा।